युजवेंद्र चहल ने किया खुलासा, क्यों रोहित शर्मा ने उन्हें विश्व कप 2023 टीम से किया था बाहर

नई दिल्ली

भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने 2023 में घरेलू मैदान पर खेले गए वनडे विश्व कप के लिए भारतीय टीम में चयन नहीं होने को लेकर बड़ा खुलासा किया है। चहल के मुताबिक, उस समय भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने उन्हें स्पष्ट रूप से बताया था कि टीम प्रबंधन आठवें नंबर तक बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों को टीम में रखना चाहता था। इसके अलावा टीम एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को भी शामिल करने के पक्ष में थी।

भारत के सबसे सफल सीमित ओवरों के स्पिनरों में शामिल चहल ने पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा से बातचीत में विश्व कप टीम से बाहर रहने के कारणों का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि जब वह 2023 में काउंटी क्रिकेट खेलने गए थे, तब रोहित शर्मा ने उनसे टीम संयोजन को लेकर बात की थी।

चहल ने कहा, 2023 में, जब मैं काउंटी क्रिकेट खेलने गया था, तब रोहित ने मुझे बताया था कि हम आठवें नंबर तक बल्लेबाज चाहते हैं, इसलिए हम उसी हिसाब से टीम बना रहे हैं। उन्होंने मुझे स्पष्ट रूप से बताया था कि वे विश्व कप के लिए एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज की भी तलाश कर रहे हैं। इसलिए मुझे यह बात साफ कर दी गई थी। विश्व कप के बाद मैंने चयन के बारे में सोचना ही बंद कर दिया।

2024 टी20 विश्व कप टीम में मिली जगह, लेकिन खेलने का मौका नहीं

चहल ने अगस्त 2023 के बाद कोई टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला नहीं खेला, लेकिन उन्हें 2024 टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह मिली। हालांकि, वह पूरे टूर्नामेंट के दौरान बेंच पर ही बैठे रहे और उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला।

इसके बाद चहल ने आईपीएल 2024 में अपने प्रदर्शन से चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा। उन्होंने बताया कि उस सत्र में उन्होंने खुद पर अतिरिक्त दबाव डालने के बजाय खेल का आनंद लेने पर ध्यान दिया। उनके अच्छे प्रदर्शन के बाद रोहित शर्मा ने भी उन्हें टीम में शामिल करने की इच्छा जताई थी।

चहल ने कहा, आईपीएल 2024 में मैं सिर्फ खेल का आनंद लेने आया था और मैंने खुद पर कोई अतिरिक्त दबाव नहीं डाला। उस सत्र में मैंने अच्छा प्रदर्शन किया और रोहित ने मुझसे कहा कि वह मुझे टीम में चाहते हैं और हम चयन बैठक में इस पर विचार करेंगे।

विश्व कप में नहीं खेल पाने का मलाल – चहल ने 2016 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने अब तक 78 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 96 विकेट लिए हैं। इसके बावजूद उन्हें 2021 और 2022 के टी20 विश्व कप, 2023 के वनडे विश्व कप और 2026 के टी20 विश्व कप में खेलने का अवसर नहीं मिला। विश्व कप से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए चहल ने कहा कि टीम में जगह ही नहीं मिलना उनके लिए टीम में शामिल होने के बावजूद मैच नहीं खेल पाने से ज्यादा तकलीफदेह था। उन्होंने 2021 और 2022 के टी20 विश्व कप का जिक्र करते हुए अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। चहल ने कहा, मुझे 2021 में ज्यादा बुरा लगा था, क्योंकि मैं टीम में था ही नहीं। 2022 में कम से कम मैं टीम का हिस्सा था। कभी-कभी आपको यह भी पता होता है कि टीम का संयोजन शायद काम नहीं करेगा। इसलिए मैंने इस बारे में ज्यादा नहीं सोचा। लेकिन हमेशा लगता है कि मुझे कम से कम विश्व कप का एक मैच तो खेलना चाहिए था। रोहित ने मुझे बताया था कि मैं तभी खेलूंगा, जब कोई खास टीम संयोजन काम करेगा। इसलिए कम से कम मुझे स्थिति की स्पष्ट जानकारी थी।

काउंटी क्रिकेट के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास – चहल ने हाल ही में नार्थम्पटनशायर की ओर से काउंटी क्रिकेट में अपना कार्यकाल पूरा किया। इसके बाद अगस्त 2026 में उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। उन्होंने अपने प्रथम श्रेणी करियर में 49 मैचों में 148 विकेट हासिल किए।

न्यूज ब्रीफ

डेनमार्क ओपनः क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं तन्वी शर्मा , विश्व नंबर एक आन से यंग से होगा मुकाबला

ओडेंस। भारत की 17 वर्षीय बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने डेनमार्क ओपन 2026 के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने खेले गए राउंड आफ 16 के मुकाबले में जर्मनी की यवोन ली को 21-17, 21-19 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना पहली बार विश्व की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की आन से यंग से होगा। तन्वी ने यवोन ली के खिलाफ केवल 39 मिनट में जीत दर्ज की। दूसरे गेम में कड़ी चुनौती मिलने के बावजूद भारतीय खिलाड़ी ने धैर्य बनाए रखा और सीधे गेमों में मुकाबला अपने नाम किया। तन्वी ने पहले गेम की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। यवोन ली लगातार पिछड़ने के बाद वापसी की कोशिश करती रहीं, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने 21-17 से गेम जीत लिया। दूसरे गेम में जर्मनी की खिलाड़ी ने अधिक चुनौती पेश की। मुकाबला अंक-दर-अंक आगे बढ़ा और कई मौकों पर यवोन ने बढ़त भी हासिल की। हालांकि, 16-16 की बराबरी के बाद तन्वी ने लगातार चार अंक जुटाकर निर्णायक बढ़त बना ली। यवोन ने फिर संघर्ष करते हुए स्कोर 19 तक पहुंचाया, लेकिन तन्वी ने लगातार दो अंक हासिल कर 21-19 से गेम और मैच जीत लिया।

टी20 सीरीज में सबसे अधिक रनों का साल्ट का रिकार्ड तोड़ने होप को चाहिये 71 रन

बेंगलुरु। भारत और वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के बीच पांचवां और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच शनिवार को यहां के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच में बल्लेबाज होप के पास टी20 सिरीज में सबसे अधिक रन बनाने का रिकार्ड अपने नाम करने का अवसर है। होप के नाम अभी 261 रन हैं। वह एक टी20 सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में 8वें नंबर पर पहुंच गए हैं। ऐसे में उन्हें फिल साल्ट का विश्व रिकार्ड तोड़ने के लिए पांचवें टी20 में 71 रन और बनाने हैं। होप ने इस दौरे पर अब तक 4 शतक लगाये हैं। उन्होंने एकदिवसीय सीरीज के अंतिम दो मैचों में 104 और 162 रन बनाए थे। अगर वह इसी प्रकार से रन बनाते रहे तो इस सीरीज में सबसे अधिक रनों का इंग्लैंड के फिल साल्ट का रिकार्ड तोड़ सकते हैं। साल्ट ने वेस्टइंडीज के खिलाफ एक सीरीज में कुल 331 रन बनाए थे। पहले टी20 मैच में होप ने अर्धशतक लगाया था, उन्होंने लखनऊ में 52 रनों की पारी खेली थी। इसके बाद रांची में हुए दूसरे टी20 में उन्होंने शतकीय पारी खेली थी। इससे वेस्टइंडीज ने 250 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया था। तीसरे टी20 में वह विफल रहे और 5 रन ही बना पाये पर अंतिम टी20 में उन्होंने शतकीय पारी खेली। इस प्रकार उनके नाम 261 रन हो गये हैं। भारत के खिलाफ जारी टी20 सीरीज के 4 मैचों में होप ने कुल 261 रन बनाये हैं। इससे वह 5 मैचों की एक टी20 सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की शीर्ष 10 खिलाड़ियों की सूची में आ गये हैं। अब उनके पास पहले स्थान पर आकर विश्व रिकार्ड बनाने का अंतिम अवसर है। एक टी20 सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में इंग्लैंड के साल्ट के नाम 331 हैं।

70वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय फुटबाल प्रतियोगिता का शुभंकर लांच

बलिया। बलिया में दो से छह नवंबर 2026 तक 70वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय फुटबाल (अंडर-17) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बलिया में प्रतियोगिता के लोगो व शुभंकर का विमोचन किया। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि जिले में एक बार फिर खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का बड़ा अवसर मिलने जा रहा है। उन्होंने कहा कि आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। आयोजन के तहत खेल मैदानों को तैयार करने के साथ खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन, परिवहन, चिकित्सा और सुरक्षा सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। प्रतियोगिता का आयोजन वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम में किया जाएगा। इसके अतिरिक्त पांच क्रीड़ा स्थलों को चिह्नित किया गया है, जहां प्रतियोगिता से संबंधित गतिविधियां संचालित होंगी। इनमें वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम, टाउन पालिटेक्निक के मैदान, सतीश चंद्र महाविद्यालय, रामदहिन सिंह इंटर कालेज आमघाट तथा शेर ग्राम सभा में स्थित मिनी स्टेडियम शामिल हैं। इन स्थलों पर खेल संबंधी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस दौरान मंत्री ने प्रतियोगिता के लोगो व शुभंकर का विमोचन किया। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि प्रतियोगिता में शामिल होने वाले खिलाड़ियों और टीमों के ठहरने के लिए होटलों में कमरों की व्यवस्था की जा रही है।

क्रिकेट में नए युग की शुरुआत, श्रीलंका में 14 नवंबर से शुरू होगा मिक्स्ड-जेंडर टूर्नामेंट टेस्ट ट्वेंटी

मुंबई/कोलंबो

क्रिकेट में करीब 150 वर्षों के इतिहास में पहली बार लड़कियों और लड़कों के रन मिलकर एक ही टीम का परिणाम तय करेंगे। क्रिकेट के नए प्रारूप टेस्ट ट्वेंटी का पहला सत्र 14 से 29 नवंबर 2026 तक श्रीलंका की राजधानी कोलंबो स्थित सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब (एसएससी) मैदान पर आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में दुनिया भर के 13 से 21 वर्ष की आयु के 160 युवा क्रिकेटर हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा।

टेस्ट ट्वेंटी को क्रिकेट का चौथा प्रारूप बताया जा रहा है। अब तक क्रिकेट में टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 प्रारूप प्रचलित रहे हैं। इस नए प्रारूप की खासियत यह है कि इसमें प्रत्येक टीम की ओर से लड़कियों और लड़कों की अलग-अलग एकादश मैदान पर उतरेगी, लेकिन दोनों के बनाए रन एक ही स्कोर में जोड़े जाएंगे। मैच का फैसला दोनों टीमों के संयुक्त स्कोर के आधार पर होगा। आयोजकों के अनुसार, टूर्नामेंट का उद्देश्य लड़कियों और लड़कों को एक साझा टीम के लिए खेलने का अवसर देना तथा युवा क्रिकेटरों के लिए एक नया वैश्विक मंच तैयार करना है।

80 ओवर का मुकाबला, दो गेंदें और एक संयुक्त स्कोर

टेस्ट ट्वेंटी का प्रत्येक मुकाबला एक ही दिन में खेला जाएगा। इसमें प्रत्येक टीम दो बार बल्लेबाजी करेगी और कुल 80 ओवर का खेल होगा। पहले 40 ओवर दिन में लाल गेंद से सफेद कपड़ों में खेले जाएंगे, जबकि अंतिम 40 ओवर रंगीन कपड़ों में सफेद गेंद से एसएससी मैदान की फ्लडलाइट्स के नीचे होंगे।

इस प्रारूप में लाल और सफेद गेंद का इस्तेमाल एक ही मैच में किया जाएगा। पहले सत्र में बनाए गए रन दूसरे सत्र में भी कुल स्कोर का हिस्सा बने रहेंगे। यानी दिन में बनाया गया हर रन रात के खेल में भी टीम के परिणाम को प्रभावित करेगा। मुकाबले का फैसला उसी दिन संयुक्त स्कोर के आधार पर होगा।

लड़कियों और लड़कों के रन तय करेंगे एक-दूसरे की जीत

टेस्ट ट्वेंटी के चार महाद्वीपीय दलों में से प्रत्येक में 40 खिलाड़ी होंगे। इनमें 20 लड़कियां और 20 लड़के

शामिल होंगे। प्रत्येक मुकाबले में लड़कियों की टीम लड़कियों के खिलाफ और लड़कों की टीम लड़कों के खिलाफ खेलेगी। हालांकि, दोनों के प्रदर्शन को जोड़कर ही टीम का अंतिम स्कोर तैयार किया जाएगा।

इस प्रारूप में पैरिटी रूल यानी समानता नियम लागू होगा। टास से यह तय होगा कि कौन-सी टीम पहले बल्लेबाजी करेगी और उसकी ओर से पहले लड़कियों की एकादश उतरेगी या लड़कों की। दिन में लड़कियों द्वारा बनाए गए रन रात में लड़कों की जीत या हार का फैसला प्रभावित करेंगे। इसी तरह, रात में लड़कों के बनाए रन संयुक्त परिणाम में शामिल होंगे और लड़कियों के प्रदर्शन के साथ मिलकर टीम की जीत तय करेंगे।

इस व्यवस्था के तहत लड़कियों का मुकाबला केवल मुख्य मैच से पहले होने वाला आयोजन नहीं होगा, बल्कि उनके रन टीम के अंतिम परिणाम का आधा हिस्सा तय करने में योगदान देंगे। लड़के और लड़कियां पूरे दिन एक ही टीम के डगआउट में साथ बैठेंगे और एक-दूसरे के प्रदर्शन पर नजर रखेंगे, क्योंकि दोनों की सफलता संयुक्त स्कोर से जुड़ी होगी।

श्रीलंका को चुना गया पहले सत्र का मेजबान

आयोजकों ने श्रीलंका को इस नए प्रारूप के पहले सत्र के लिए चुना है। देश में स्कूली क्रिकेट की लंबी परंपरा रही है। रायल-थामियन क्रिकेट मुकाबला पहली बार 1879 में खेला गया था और इस वर्ष मार्च में इसका 147वां संस्करण एसएससी मैदान पर आयोजित हुआ।

श्रीलंका ने विश्व क्रिकेट को सनथ जयसूर्या, मुथैया मुरलीधरन, कुमार संगकारा और महेला जयवर्धने जैसे दिग्गज खिलाड़ी दिए हैं। वर्ष 2006 में एसएससी मैदान पर संगकारा और जयवर्धने ने टेस्ट क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी साझेदारी करते हुए 624 रन जोड़े थे।

आयोजकों का मानना है कि स्कूली क्रिकेट के प्रति श्रीलंका का जुनून और युवा खिलाड़ियों को मिलने वाला समर्थन इस नए प्रारूप के लिए देश को उपयुक्त मेजबान बनाता है। टेस्ट ट्वेंटी के साथ श्रीलंका को इस वैश्विक युवा क्रिकेट प्रारूप का संस्थापक केंद्र बनाने की योजना है।

हजारों खिलाड़ियों में से चुने जाएंगे 160 क्रिकेटर

टूर्नामेंट के लिए पांच महाद्वीपों से हजारों युवा क्रिकेटरों ने अपनी दावेदारी पेश की। पिछले 300 दिनों के दौरान मैदान पर और आनलाइन आयोजित चयन प्रक्रियाओं के माध्यम से खिलाड़ियों का आकलन किया गया।

वैश्विक चयन समिति ने इन खिलाड़ियों में से सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को चुना है। इस समिति की अध्यक्षता भारत के कोच राजकुमार शर्मा कर रहे हैं, जिन्हें विराट कोहली की शुरुआती प्रतिभा पहचानने और उनके क्रिकेट करियर को आकार देने के लिए जाना जाता है।

इस महीने के अंत में होने वाले खिलाड़ियों के ड्राफ्ट के जरिए अंतिम 160 खिलाड़ियों के नाम घोषित किए जाएंगे। इनमें 80 लड़कियां और 80 लड़के शामिल होंगे। यही खिलाड़ी टेस्ट ट्वेंटी के पहले सत्र का हिस्सा बनेंगे। टूर्नामेंट का उद्घाटन समारोह 14 नवंबर को होगा, जबकि फाइनल 29 नवंबर को खेला जाएगा। 30 नवंबर को रिजर्व डे के रूप में रखा गया है। सभी मुकाबलों का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा। आयोजकों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजारों के प्रसारकों और स्ट्रीमिंग प्लेटफार्म के लिए भी विश्व फीड उपलब्ध कराई जाएगी।

एबी डिविलियर्स, मैथ्यू हेडन और क्लाइव लायड सलाहकार बोर्ड में

टेस्ट ट्वेंटी के सलाहकार बोर्ड में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स, आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन और वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान सर क्लाइव लायड शामिल हैं। वैश्विक चयन समिति की अध्यक्षता राजकुमार शर्मा कर रहे हैं, जबकि संचालन की जिम्मेदारी माइक फोर्डहम संभाल रहे हैं।

मैनचेस्टर यूनाइटेड की आलोचना करने पर मार्टिनेज ने मांगी माफी, क्लब अधिकारियों से की बातचीत

मैनचेस्टर

मैनचेस्टर यूनाइटेड के डिफेंडर लिसांद्रो मार्टिनेज ने एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ चैंपियंस लीग में हार के बाद क्लब के शीर्ष अधिकारियों की आलोचना करने के लिए माफी मांगी। उन्होंने मुख्य कोच माइकल कैरिक और क्लब के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात के बाद यह माफी मांगी।

मार्टिनेज ने मंगलवार को 0-2 की हार के बाद कहा था कि टीम को सर्वोच्च स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए क्लब को अधिक निवेश करने की जरूरत है।

प्रशिक्षण सत्र के बाद मार्टिनेज ने कैरिक और क्लब के अधिकारियों से बातचीत की। साक्षात्कार के बाद यह उनका दूसरा सार्वजनिक बयान था। उन्होंने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर कहा कि बातचीत सकारात्मक रही और इसमें मंगलवार के मैच के बाद हुई घटनाओं पर खुलकर विचार साझा किए गए।

मार्टिनेज ने अपने बयान में कहा, आज मैंने क्लब के नेतृत्व और मुख्य कोच से मुलाकात की। यह बातचीत बहुत सकारात्मक रही, जिसमें हम अपने विचार साझा करने और मंगलवार के मैच के बाद जो कुछ हुआ, उस पर खुलकर बात करने में सक्षम रहे।

अर्जेंटीना के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मार्टिनेज ने स्वीकार किया कि हार के बाद उनकी निराशा उन पर हावी हो गई थी। उन्होंने अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए गलत समय चुनने पर माफी मांगी।

उन्होंने कहा, हर कोई जानता है कि मैं जुनूनी स्वभाव का व्यक्ति हूं और फुटबाल को बहुत गहराई तथा तीव्रता से जीता हूं। हार की निराशा के कारण मैंने अपनी भावनाएं ऐसे समय और ऐसी जगह पर व्यक्त कर दीं, जो

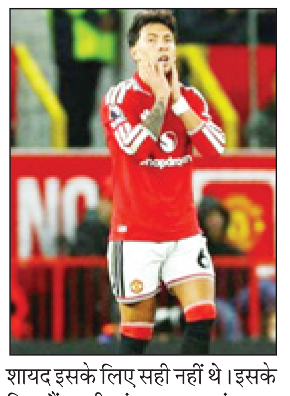

शायद इसके लिए सही नहीं थे। इसके लिए मैं माफी मांगना चाहता हूं।

एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ हार के बाद दिए गए साक्षात्कार में मार्टिनेज ने क्लब के फुटबाल निदेशक जेसन विलकाक्स का विशेष रूप से उल्लेख किया था। उन्होंने कहा था कि मैनचेस्टर यूनाइटेड को अपने प्रतिद्वंद्वियों के स्तर तक पहुंचने, अधिक खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने और यूरोपीय प्रतियोगिताओं में चुनौती देने में सक्षम दल तैयार करने के लिए नए करार करने की जरूरत है।

मार्टिनेज ने अब माना कि उनकी टिप्पणियां ओल्ड ट्रैफर्ड में अपेक्षित एकजुटता को प्रतिबिंबित नहीं करती थीं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि क्लब के सभी लोग एक साझा लक्ष्य की दिशा में काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, हमारा क्लब तब अपने सर्वश्रेष्ठ रूप में होता है, जब हम सभी एकजुट होते हैं। मैं स्वीकार करता हूं कि उस समय मेरे शब्द इस भावना के अनुरूप नहीं थे।

उन्होंने आगे कहा, मैं जानता हूं कि मैनचेस्टर यूनाइटेड का हर व्यक्ति हमारी साझा महत्वाकांक्षा को हासिल करने और इस क्लब तथा इसके समर्थकों को वह सफलता दिलाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है, जिसके वे हकदार हैं।

डेनमार्क ओपनः त्रीसा-गायत्री की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची

ओडेंस। भारत की त्रीसा जाली और गायत्री गोपीचंद ने डेनमार्क ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला युगल क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय जोड़ी ने गुरुवार को राउंड आफ 16 के मुकाबले में इंडोनेशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त रेचल अलेस्स्या रोज और फेबी सेटियानिंगरम को सीधे गेमों में 21-16, 21-17 से हराया। भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम में कड़े मुकाबले के बाद नियंत्रण हासिल किया। दूसरे गेम में इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने वापसी की कोशिश की, लेकिन त्रीसा और गायत्री ने संयम बनाए रखते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। त्रीसा ने पिछले कोर्ट से आक्रामक खेल दिखाया, जबकि गायत्री ने नेट पर मजबूती से मोर्चा संभाला। भारतीय खिलाड़ियों ने शुरुआती संघर्ष के बाद अपनी रक्षापंक्ति को बेहतर किया और गलतियों पर अंकुश लगाते हुए पहला गेम 21-16 से जीता। दूसरे गेम में भी उन्होंने इसी लय को बरकरार रखा और 21-17 से जीत दर्ज की।

भारतीय क्रिकेटर आदित्य तारे को भरोसा,आर्सेनल लगातार दूसरी बार जीतेगा प्रीमियर लीग खिताब

मुंबई

इंग्लिश प्रीमियर लीग में आर्सेनल की खिताबी सफलता के बाद भारतीय क्रिकेटर और आर्सेनल के पुराने प्रशंसक आदित्य तारे का मानना है कि टीम लगातार दूसरी बार खिताब जीत सकती है। तारे ने कहा कि मैनचेस्टर सिटी के दबदबे के दौर में आर्सेनल का समर्थन करने वाले प्रशंसकों के लिए ट्राफी जीतने के बाद अब अपनी टीम की उपलब्धियों पर गर्व करने और प्रतिद्वंद्वी प्रशंसकों के साथ हंसी-मजाक करने का मौका है।

जियोस्टार को दिए साक्षात्कार में आदित्य तारे ने मुंबई में जारी प्रीमियर लीग ट्राफी टूर के दौरान ट्राफी को करीब से देखने के अनुभव को अपने लिए सपने के सच होने जैसा बताया। उन्होंने आर्सेनल के साथ अपने पुराने जुड़ाव, मैनचेस्टर सिटी के प्रशंसक और साथी क्रिकेट विशेषज्ञ अभिषेक नायर के साथ होने वाली नोकझोंक तथा टीम के लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने की संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए।

तारे ने कहा कि वह बचपन से आर्सेनल का समर्थन करते आ रहे हैं। उन्होंने 2003-04 के उस ऐतिहासिक सत्र को भी याद किया, जब आर्सेनल ने बिना कोई मुकाबला गंवाए प्रीमियर लीग का खिताब जीता था। उस टीम को इनविंसिबल्स के नाम से जाना जाता है।

उन्होंने कहा, बचपन से आर्सेनल का प्रशंसक होने के कारण इस ट्राफी के पास खड़ा होना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है। 2003-04 में टीम ने बिना कोई मैच हारे खिताब जीता था। उसके बाद अगले खिताब के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। कई बार टीम खिताब के बेहद करीब पहुंची, लेकिन सफलता नहीं मिली। आखिरकार खिताब जीतने के बाद बहुत राहत मिली। अब 22 साल बाद ट्राफी को सामने देखना और यह महसूस करना कि इसका क्लब तथा प्रशंसकों के लिए कितना महत्व है, बेहद खास अनुभव है। मुझे अपनी टीम पर गर्व है।

मैनचेस्टर सिटी के प्रशंसकों से मुकाबले पर बोले तारे – मैनचेस्टर सिटी के प्रशंसक अभिषेक नायर के साथ अपनी दोस्ताना प्रतिद्वंद्विता के बारे में तारे ने कहा कि मुंबई के क्रिकेट ड्रेसिंग रूम में इस मुद्दे पर लंबे समय से मजाक और बहस होती रही है। वहां मैनचेस्टर यूनाइटेड के भी कई समर्थक हैं, जबकि नायर शुरुआत से ही मैनचेस्टर सिटी का समर्थन करते रहे हैं।

तारे ने कहा, जब हमारी टीम खिताब नहीं जीत पा रही थी और मैनचेस्टर सिटी का दबदबा था, तब हमेशा बचाव की मुद्रा में रहना मुश्किल होता था। लेकिन पिछले सत्र में खिताब जीतने के बाद अब आर्सेनल और उसके प्रशंसकों के पास अपनी उपलब्धि पर गर्व करने और अपनी बात रखने का मौका है। हालांकि, उन्होंने मैनचेस्टर सिटी को शानदार क्लब बताते हुए कहा कि खिताब की दौड़ में शामिल किसी भी टीम पर वह लगातार दबाव बनाता है। तारे के मुताबिक, इस सत्र में भी खिताबी मुकाबला कड़ा रहने की उम्मीद है, लेकिन उन्हें भरोसा है कि आर्सेनल लगातार दूसरी बार चैंपियन बन सकता है।

कप्तान मार्टिन ओडेगार्ड की नेतृत्व क्षमता की तारीफ – आर्सेनल के कप्तान मार्टिन ओडेगार्ड की तारीफ करते हुए तारे ने कहा कि वह मैदान के अंदर और बाहर अपने व्यवहार से सम्मान हासिल करते हैं। एक आक्रामक मिडफील्डर के रूप में उनकी भूमिका के साथ-साथ रक्षात्मक जिम्मेदारियों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता भी शानदार है।

गर्व है पहल से जुड़ी दिविजा पाल ने राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में जीता कांस्य

नई दिल्ली

असम की युवा टेबल टेनिस खिलाड़ी दिविजा पाल ने पंचकूला में छह से 13 अक्टूबर तक आयोजित राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप के अंडर-13 बालिका वर्ग में कांस्य पदक जीता है। इस प्रतियोगिता में पदक जीतने वाली दिविजा अदाणी स्पोर्ट्सलाइन की गर्व है पहल से जुड़ी नई खिलाड़ी हैं। वह वर्तमान में भारत की अंडर-13 श्रेणी में नंबर एक रैंकिंग पर हैं।

दिविजा की यह उपलब्धि फिलीपींस में आयोजित डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर प्यूर्टो प्रिंसेसा 2026 में अंडर-13 व्यक्तिगत वर्ग का स्वर्ण पदक जीतने के बाद आई है। इससे पहले उन्होंने 2025 और 2026 में वडोदरा में आयोजित डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर प्रतियोगिताओं में भी अंडर-11 और अंडर-13 वर्गों में स्वर्ण पदक जीते थे। पंचकूला दिविजा के लिए खास महत्व रखता है। वर्ष 2023 में इसी शहर में उन्होंने अंडर-11 वर्ग की राष्ट्रीय चैंपियनशिप का खिताब जीता था। दिविजा के मुताबिक, इसी सफलता ने उन्हें टेबल टेनिस में पेशेवर करियर बनाने के लिए प्रेरित किया।

असम के सिलचर में जन्मीं दिविजा ने छह वर्ष की उम्र में टेबल टेनिस खेलना शुरू किया था। एक स्थानीय क्लब टूर्नामेंट में अपने चचेरे भाई को खेलते देखकर उनकी इस खेल में रुचि बढ़ी। उनके पिता दिब्येंदु पाल बीएसएनएल में कार्यरत हैं, जबकि मां दीपशिखा पाल सरकारी स्कूल में शिक्षिका हैं। दिविजा सिलचर स्थित केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के विद्यालय में सातवीं कक्षा की छात्रा हैं।

दिविजा ने वर्ष 2025 में दिल्ली में आयोजित यूटीटी राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप के अंडर-13 वर्ग का खिताब जीता था। इसी वर्ष गुजरात के गांधीधाम में आयोजित यूटीटी राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में उन्होंने अंडर-13 युगल वर्ग का खिताब भी अपने नाम किया।

भारत की अंडर-13 श्रेणी में शीर्ष रैंकिंग हासिल कर चुकी दिविजा चीन की दिग्गज टेबल टेनिस खिलाड़ी सुन यिंगशा को अपना आदर्श मानती हैं। वह विशेष रूप से सुन यिंगशा की खेल शैली और उनके शाट्स में आत्मविश्वास से प्रभावित हैं।

आगामी महीनों में दिविजा चेन्नई में होने वाली डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगी। इसके बाद वह जालंधर में आयोजित होने वाली यूटीटी राष्ट्रीय रैंकिंग चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

गर्व है पहल के तहत अदाणी स्पोर्ट्सलाइन से जुड़ने के बाद दिविजा को विश्वस्तरीय खेल उपकरण, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए यात्रा तथा स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग प्रशिक्षण जैसी सुविधाओं में सहायता मिलेगी।

इस सहयोग का उद्देश्य उनके शुरुआती करियर की प्रमुख चुनौतियों को कम करना और उन्हें अपने खेल में आगे बढ़ने के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना है। दिविजा का अंतिम लक्ष्य भविष्य में भारत के लिए ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना है। अपनी उपलब्धि पर दिविजा पाल ने कहा, पंचकूला वह जगह है, जहां मैंने अपना पहला राष्ट्रीय खिताब जीता था। इसलिए यहां लौटकर पोडियम पर जगह बनाना मेरे लिए बेहद खास है। मैं एक कदम और आगे बढ़ना चाहती थी, लेकिन इस कांस्य पदक से भी खुश हूं। मैंने जो भी मुकाबले खेले, उनसे सीखने की कोशिश करूंगी। उन्होंने अदाणी स्पोर्ट्सलाइन से मिल रहे सहयोग के महत्व पर कहा, यह समर्थन मेरे लिए कितना मायने रखता है, इसे शब्दों में व्यक्त करना मुश्किल है। मेरे सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में अच्छी गुणवत्ता वाले उपकरण, टूर्नामेंट के लिए यात्रा और उचित स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग प्रशिक्षण हासिल करना शामिल था। मेरे माता-पिता और कोचों ने मेरे लिए हर संभव प्रयास किया है और अब इन चुनौतियों को कम करने में मदद मिलेगी। मेरा ध्यान अब चेन्नई और जालंधर में होने वाली प्रतियोगिताओं पर है।